दैनिक
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्ष :-04
अंक:-261
मुरादाबाद
11 January 2025
(Saturday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

'राष्ट्र दूतों ने दुनिया में बदली भारत की छवि', पीएम ने कहा- सरकार को याद रखेंगे देश के नौजवान

'मेरी रिस्क लेने की क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ' पीएम बोले- मुझे अपनी कोई परवाह नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रमुख उद्यमी निखिल कामत को दिए एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में सरकार और सरकार के कार्यप्रणाली पर भी बातचीत की है। इस दौरान पीएम मोदी न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन पर भ्रांतियों को भी दूर किया है।प्रधानमंत्री मोदी ने पॉडकास्ट में तमाम मुद्दों पर बातचीत की, इस दौरान पीएम ने कहा कि मिनिमम गर्वनेंट और मैक्सिमम गर्वनेंस में लोगों ने अपने-अपने अर्थ निकाले हैं। पीएम ने कहा- कुछ लोगों को लगा मंत्रियों की संख्या का मतलब मिनिमम गर्वनेंट, कुछ लोगों को लगा कर्मचारियों की संख्या मतलब मिनिमम गर्वनेंट, मेरी ये कल्पना कभी नहीं थी, ऊपर से मैंने तो आकर करके स्किल मंत्रालय अलग बनाई, सहकारिता मंत्रालय अलग बनाई, मत्स्य मंत्रालय अलग बनाई। तो देश में जिन-जिन फोकस एरिया होते हैं उसके मिनिमम गर्वनेंट

और मैक्सिमम गर्वनेंस की कल्पना- पीएम ने कहा, जब मैं मिनिमम गर्वनेंट और मैक्सिमम गर्वनेंस कहता हूं, हमारे यहां जो प्रोसेस चलती है लंबी...एक क्लीयरेंस लेना है तो छह-छह महीने चल रहा है। कोर्ट-कचहरी का मामला है, तो 100-100 साल तक पुराने केस अभी लटके पड़े हैं। इसलिए हमने क्या किया, करीब 40 हजार अनुपालन हमने निकाल दिए। वरना ये विभाग आपसे ये चीज मांगेगा, तो पास के अन्य विभाग भी आपसे वही चीज मांगेंगे। इस तरह से 40 हजार अनुपालन हिंदुस्तान के सामान्य जनता पर कितना भार पड़ता है। मैंने करीब-करीब 15 सौ कानून खत्म किए हैं। मैंने आपराधिक चीजों से जोड़ने वाले कानूनों को बदला है। ये मेरी मिनिमम गर्वनेंट और मैक्सिमम गर्वनेंस की कल्पना है। और मैं आज देख रहा हूं, ये सब चीजें हो रही है।टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से भ्रष्टाचार पर लगाम- साक्षात्कार में पीएम मोदी ने यूपीआई, ईकेवाईसी, आधार को लेकर किए गए सवाल पर कहा कि, आज मैं 30 सेकेंड में 10 करोड़ किसानों के खाते में सीधे पैसे भेज सकता हूं। मैं आज देश के 13 करोड़ गैस सिलेंडर के उपभोक्ताओं को सब्सिडी के पैसे एक क्लिक से 30 सेकेंड में भेज सकता हूं। क्योंकि जनधन खातों से देश के करोड़ों रूपये जो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ते थे वो गया और टेक्नोलॉजी का उपयोग हुआ। पूरी दुनिया के लिए अजूबा है यूपीआई- पीएम ने आगे कहा, आप यूपीआई को देखिए, ये पूरी दुनिया के लिए अजूबा है। दुनिया के मेहमान आते थे, पूछते हैं कि यूपीआई कैसे काम करता है। मैं उनको कहता हूं कि आप किसी वेंडर के यहां हो आइए। फिनटेक की दुनिया में और टेक्नोलॉजी को डेमोक्रेटाइज कैसे किया जाता है। ये दुनिया के सामने भारत ने एक उदाहरण पेश किया है। आज देश के नौजवानों के जेब में एक मोबाइल फोन हो, तो उसे किसी चीज की जरूरत नहीं है। और मेरे देश के नौजवान याद रखेंगे कि, कभी न कभी, एक ऐसी सरकार आई थी, जब पूरी दुनिया मेरी जेब में थी, मेरे मोबाइल में थी। राष्ट्रदूतों ने दुनिया में बदली भारत की छवि- वहीं पीएम मोदी ने दुनिया में भारत की छवि बदलने के सवाल पर कहा कि, पहली बात ये है कि मैंने बदला है, ये दावा करना वो सही नहीं है। मेरा मत ये है कि दुनिया में जो भी व्यक्ति जाता है, वो सरकार जिसको भेजती है वो राजदूत है... ये जाते हैं...राष्ट्रदूत हैं। हमारी नीति आयोग का एक शुरुआती उद्देश्य ये है कि विश्व भर में फैले हुए भारतीय समुदाय के सामर्थ्य को जोड़ना। तो सुविचारित मेरा मत है कि विश्व भर में ये जो सामर्थ्य है उन सबको जोड़ना चाहिए। इस ताकत का उपयोग पहले होता नहीं था। मैंने उसको चैनेलाइज करना शुरू किया। तो दुनिया के राजनेताओं को लगने लगा कि ये तो बहुत बड़ी ताकत है। इस सबके कारण देश की छवि बदली और बढ़ी है। पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने कभी किसी कंफर्ट जोन में जिंदगी नहीं बिताई। हमेशा कंफर्ट जोन के बाहर ही रहे, इसलिए उन्हें मालूम है कि कहां कैसे जिंदगी गुजारनी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार किसी पॉडकास्ट में हिस्सा लिया है। जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामत ने पॉडकास्ट में उनसे बातचीत की। इस बातचीत में पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने अभी तक अपन जोखिम उठाने की क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बताया कि उनके पास रिस्क लेने की क्षमता बहुत अधिक है। इसी के साथ उन्होंने उन्होंने एक किस्सा सुनाया। यह किस्सा उस समय का है जब पीएम मोदी आरएसएस में काम करते थे और गाड़ी चलाना सीख रहे थे। ढलान देखकर उन्होंने गाड़ी का इंजन बंद कर दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि ढलान में गाड़ी खुद ही नीचे चली जाएगी और इंजन बंद करने से पेट्रोल की बचट होगी। पीएम मोदी ने कहा, मुझे ज्ञान नहीं था, गाड़ी असंतुलित होने लगी और तेजी से नीचे की जाने लगी। मैं ब्रेक लगाने लगा, लेकिन गाड़ी का इंजन बंद था। मेरे बगल वालों को भी मालूम नहीं चला कि मैंने क्या किया। उन्होंने आगे बताया कि अनुभवों से सिखने का मौका मिलता है। अनुभवों से ही जिंदगी सवरती है। पीएम मोदी ने किसी कंफर्ट जोन में नहीं बिताई जिंदगी- पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने कभी किसी कंफर्ट जोन में जिंदगी नहीं बिताई। हमेशा कंफर्ट जोन के बाहर ही रहे, इसलिए उन्हें मालूम है कि कहां कैसे जिंदगी गुजारनी है। उन्होंने खुद को कंफर्ट जोन के लिए अनफिट बताया। पीएम मोदी ने कहा, 卐अगर एक उद्योगपति भी कंफर्ट जोन से बाहर नहीं आता है तो उसका कंफर्ट जोन का लेवल अलग होगा।

एक समय के बाद वह खत्म हो जाएगा उसको अपने कंफर्ट जोन से बाहर आना ही पड़ेगा। जो जीवन के किसी भी क्षेत्र में प्रगति करना चाहता है, उसे कंफर्ट जोन का आदी नहीं बनना चाहिए। रिस्क लेने कि उसकी मनोभूमिका हनेशा उसकी ड्राइविंग फोर्स होती है। जब पीएम मोदी से यह सवाल किया गया कि उनके जीवन रिस्क लेने की क्षमता समय के साथ बढ़ रही है? इसका जवाब देते हुए पीएम मोदी ने कहा, 卐मुझे लगता है कि मेरी अभी तक रिस्क लेने की क्षमता का भरपूर इस्तेमाल नहीं हो पाया है। बहुत कम हुआ है। रिस्क लेने की क्षमता बहुत अधिक है इसका कारण है। मुझे परवाह ही नहीं है। मैंने अपने लिए सोचा ही नहीं। जो अपने बारे में नहीं सोचा, उसके लिए रिस्क लेने की क्षमता बेहिसाब होती है।

संक्षिप्त समाचार

जनरल बोगियों में सफर करने वालों के लिए खुशखबरी, कम किराए में इस लग्जरी ट्रेन का मजा ले सकेंगे यात्री

रेल मंत्री वैष्णव ने कहा, सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ बनाया गया है। आपको कई नई सुविधाएं देखने को मिलेंगी, जैसे सीटों और पंखों की गुणवत्ता, चार्जिंग पॉइंट, कुर्सियों में कमर का सहारा और नए डिजाइन वाले शौचालय। वंदे भारत ट्रेनों में भी लगातार सुधार किए जा रहे हैं। विस्टाडोम कोच में कई सुधार किए गए हैं। जैसे इसमें डाइनिंग कार जोड़ना। यह पर्यटकों के लिए किया गया है। यात्री मनोरम दृश्यों को देखते हुए भोजन कर सकते हैं। भविष्य में इस नए कोच का उपयोग जम्मू-कश्मीर में किया जाएगा। रेल मंत्री वैष्णव ने यह भी कहा कि 10,000 इंजनों में कवच लगाया जा रहा है और 15,000 किलोमीटर ट्रैकसाइड फिटिंग की जा रही है। इंजनों के सामने कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। इससे पहले रेल मंत्रालय ने बताया था कि अमृत भारत ट्रेन में सामान्य और स्लीपर कोच होंगे। ताकि यात्रियों के लिए वहनीयता सुनिश्चित की जा सके और प्रीमियम वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी सुविधाएं बरकरार रखी जा सकें। अमृत भारत का किराया वंदे भारत से कम होगा, लेकिन सुविधाएं बराबर ही रहेंगी।पहली अमृत भारत ट्रेन 30 दिसंबर, 2023 को सस्ती नॉन-एसी सेवाएं प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। ट्रेनों में एलएचबी स्लीपर क्लास, जनरल क्लास और एसएलआर कोच हैं। शंकु के साथ फिट किया जाता है।

'विपक्षी गठबंधन के अस्तित्व पर उठ रहे सवालों के लिए कांग्रेस जिम्मेदार', संजय राउत का आरोप

संजय राउत ने कहा कि हमने लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ा था और नतीजे भी अच्छे आए थे। उसके बाद हम सभी की खासकर कांग्रेस की जिम्मेदारी थी कि हम इंडिया गठबंधन को जिंदा रखें। इंडिया गठबंधन के अस्तित्व पर लगातार उठ रहे सवालों के बीच उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि लोकसभा चुनाव के अच्छे नतीजों के बाद कांग्रेस की जिम्मेदारी थी कि वह गठबंधन को जिंदा रखें और सभी दलों को एकजुट करके आगे का रास्ता दिखाएं। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक गठबंधन की कोई बैठक नहीं हुई है, जिससे लोगों में संदेह उत्पन्न हो रहा है।शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, %हमने लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ा था और नतीजे भी अच्छे आए थे। उसके बाद हम सभी की, खासकर कांग्रेस की जिम्मेदारी थी कि

हम इंडिया गठबंधन को जिंदा रखें, साथ बैठें और आगे का रास्ता दिखाएं। लेकिन अब तक लोकसभा चुनाव के बाद ऐसी एक भी बैठक नहीं हुई है। यह इंडिया गठबंधन के लिए सही नहीं है।%उन्होंने आगे कहा, %उमर अब्दुल्ला, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं का कहना है कि गठबंधन का अब कोई अस्तित्व नहीं है। अगर लोगों के मन में ऐसी भावना आती है तो इसके लिए विपक्षी गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस जिम्मेदार है। कोई समन्वय नहीं है, कोई चर्चा नहीं है, कोई संवाद नहीं है। इसका मतलब है कि लोगों को संदेह है कि गठबंधन में सब कुछ ठीक है या नहीं। अगर यह एक बार टूट गया तो इंडिया गठबंधन फिर कभी नहीं बनेगा।%विपक्षी गठबंधन पर राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा, %इंडिया गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर एक विकल्प प्रदान करने के लिए था। राज्यों में स्थितियां पूरी तरह से अलग हैं। तेजस्वी यादव ने भी यही बात कही थी। यही विपक्षी गठबंधन का मूल मंत्र है। इंडिया गठबंधन एक विचार था और यह विचार कभी खत्म नहीं होगा।%

केजरीवाल के बयान पर भड़के गिरिराज सिंह, बोले- जो अन्ना का नहीं हुआ, वह यूपी-बिहार का क्या होगा?

गिरिराज सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल बिहार और यूपी के लोगों को अपमानित कर रहे हैं, जो उनके मुख्यमंत्री बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार और यूपी के लोग दिल्ली की रीढ़

हैं।दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों पर दिए गए बयान ने एक नया राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस बयान पर केजरीवाल को आड़े हाथों लेते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अन्ना हजारे को धोखा दे सकता है, वह किसी का नहीं हो सकता। गिरिराज सिंह ने केजरीवाल को 'भ्रष्ट और बेशर्म' करार देते हुए उन पर जनता के साथ छल करने का गंभीर आरोप लगाया।केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि जो व्यक्ति अन्ना हजारे का नहीं हुआ, जिसने उन्हें धोखा दिया, वह आज बिहार और यूपी के लोगों को गाली देने का काम कर रहा है। केजरीवाल जैसे नेता बेशर्म हैं। उन्होंने कहा था कि अगर यमुना साफ नहीं हुई तो वोट नहीं मांगूंगा। लेकिन उन्होंने न यमुना को साफ किया और न ही जनता से किए गए अपने वादे पूरे किए। इसके बावजूद, वे बार-बार चुनाव में जनता को छलते रहे। बिहार और यूपी के लोगों का किया अपमान'- गिरिराज सिंह ने जोर देकर कहा कि अरविंद केजरीवाल बिहार और यूपी के लोगों को अपमानित कर रहे हैं, जो उनके मुख्यमंत्री बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार और यूपी के लोग दिल्ली की रीढ़ हैं। यही लोग केजरीवाल को सत्ता में लेकर आए। लेकिन आज वह उन पर कटाक्ष कर रहे हैं। क्या कहा था अरविंद केजरीवाल ने?- दरअसल, मामला तब शुरू हुआ जब केजरीवाल ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बिहार और यूपी के लोग दिल्ली में केवल इलाज कराने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने आते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग दिल्ली में 'पांच लाख रुपये का गोलमाल' कर रहे हैं। इस बयान के बाद न केवल राजनीतिक हलकों में बल्कि आम जनता में भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

सीएम योगी ने दी चेतावनी : भू माफिया को देर सवेर खाली करनी ही होगी भूमि, योगी के निशाने पर माफिया

मुख्यमंत्री ने भू माफिया को भी निशाने पर लिया। सीएम योगी ने चेतावनी दी कि भू माफिया ने प्रयागराज में जो सैकड़ों एकड़ भूमि कब्जाई है, उसे खाली करना ही पड़ेगा। सीएम योगी ने प्रयागराज के भूमि पर तमाम भूमाफिया ने कब्जा किया स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेवी कमला कि यह सुखद संयोग है कि राजधानी करने का अवसर मिला और आज करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर चेतावनी दी कि भू माफिया ने प्रयागराज योगी ने प्रयागराज के भूमाफिया को निशाने ने कब्जा किया हुआ है। देर सवेर तो इसे

भूमाफिया को निशाने पर लेते हुए कहा कि प्रयागराज में सैकड़ों एकड़ हुआ है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रयागराज में पूर्व बहुगुणा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा लखनऊ में पूर्व सीएम हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा का भी अनावरण प्रयागराज में स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा की प्रतिमा का भी अनावरण पर मुख्यमंत्री ने भू माफिया को भी निशाने पर लिया। सीएम योगी ने में जो सैकड़ों एकड़ भूमि कब्जाई है, उसे खाली करना ही पड़ेगा। सीएम पर लेते हुए कहा कि प्रयागराज में सैकड़ों एकड़ भूमि पर तमाम भूमाफिया खाली होना ही है। इससे पूर्व सीएम योगी के मंच पर चढ़ते जय श्री राम, हर हर महादेव, हर हर गंगा मैया, वंदे मातरम का भी उदघोष हुआ।कमला बहुगुणा के संघर्ष को किया याद- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूर्व स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा के संघर्ष को भी याद किया। सीएम योगी ने कहा, कमला बहुगुणा ने बचपन से ही ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा लिया। आठ साल की उम्र में ही उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ नारे लगाए, जिसके कारण उन्हें ब्रिटिश पुलिस ने प्रताड़ित भी किया। जब उन्होंने घर में अपनी मां से शिकायत की तो मां ने उन्हें और मजबूत किया। मां बोलीं कि यह देश की आजादी के लिए संघर्ष का हिस्सा है और हमें इस तरह पिटाई की आदत डालनी होगी। तभी अंग्रेजों से हम अपने देश को आजादी दिला पाएंगे।सीएम योगी ने बताया कि 2019 के महाकुंभ के दौरान एक शिविर में पहुंचे। वहां पता चला कि कमला बहुगुणा ने 1954 में ही एक शिविर की शुरुआत की थी, जो आज भी संचालित होता है। यहां खोया-पाया के साथ ही कई प्रकार से श्रद्धालुओं की मदद की जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने बहुगुणा परिवार के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को सराहा। उन्होंने कहा, हेमवती नंदन बहुगुणा ने मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के पद पर रहते हुए भी कभी भौतिक संपत्ति की चाह नहीं की। वे यहीं प्रयाग में किराए के मकान में रहते थे, जबकि वे आसपास के सभी घर खरीद सकते थे। उनकी यही विशेषता बहुगुणा परिवार को यादगार बनाए रखेगी।सीएम योगी ने महाकुंभ के आयोजन के महत्व पर भी जोर दिया। सीएम ने कहा कि लोगों के अंतर्मन में जो भाव अयोध्या के लिए था, वही भाव आज महाकुंभ के लिए भी है। सीएम योगी ने कहा कि प्रयाग एक पवित्र स्थान है, जहां न केवल मनुष्य, बल्कि पवित्र आत्माएं भी पहुंचती हैं। यही कारण है कि स्वच्छ प्रयाग की कल्पना को साकार करने की दिशा में युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के आयोजन के लिए सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने भी कार्यक्रम के दौरान संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वे विदेश में थे। वहीं पर महाकुंभ के जरिए यूपी की बदलती तस्वीर की खबरें आने लगीं। उन्होंने कहा कि यूपी के विकास की खबरें देश दुनिया में पहुंच रही हैं। इस दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह उपस्थित रहे। पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने मंच का संचालन किया।

संपादकीय Editorial

Anti-women obscene foul language

The elections in the Delhi semi-state are not just heating up, they are boiling. Who is a 'disaster' in Delhi and who is 'unlucky', 'scamster'? Before analysing these questions, we would like to know from Prime Minister Modi whether BJP is a party of foul-mouthed leaders as well? The Prime Minister is not only silent on such leaders, but they have also been made candidates in the elections. Currently, Ramesh Bidhuri is notorious as the most foul-mouthed, uncivilized, unruly leader of BJP. He has been a Lok Sabha MP twice and an MLA thrice. He is not a novice, childish or immature leader. BJP has made him a candidate from Kalkaji assembly constituency against Delhi Chief Minister Atishi. Congress's Alka Lamba is also in the fray. Bidhuri said from a public platform that he will get all the roads of Kalkaji made like Priyanka Gandhi's cheeks. While giving this obscene, irrelevant analogy, Bidhuri gave the example of Lalu Yadav, who in 2005 had announced to make the roads of Bihar like Hema Malini's cheeks. That analogy was also obscene and this time the analogy is also vulgar, anti-women. When Bidhuri's statement created a huge political uproar, he withdrew his statement and expressed regret, not apologised. The ugliness of the crime cannot be reduced by just expressing regret. Anyway, shortly after this incident, Bidhuri once again used foul language from the stage from where Prime Minister Modi was scheduled to address and said that Atishi has changed her father. This is not an insult to a woman, but to the people of Delhi and the Chief Minister there. This vulgar, disgusting, anti-women, anti-half the population statement is also an insult to democracy. Can the Prime Minister call for voting for BJP and throwing out AAP-Da on such foul language? Should the women of Delhi vote for such 'habitual criminals'? In fact, Ramesh Bidhuri has become 'addicted' to such foul language. In the last Lok Sabha, he addressed opposition MP Danish Ali as 'Oye...Oye..' and termed the entire Muslim community as 'terrorists'. An inquiry committee was set up against Bidhuri, but what was its conclusion and decision, what action was taken, is not public information till date. Of course, the BJP did not make him a candidate in the Lok Sabha elections, because a public wave was being felt against him in the area. Now why was he fielded in the assembly elections? That is, the BJP does not consider Bidhuri's foul language as 'uncivilized, antisocial, obscene' statements. The statements made by Bidhuri this time attack the honor, self-respect and character of an average woman, which are not acceptable in any civilized society. In the last 10 years of politics under the leadership of Prime Minister Modi, women have voted in large numbers for the BJP, which has ensured the victory of the BJP. The irony is that the Speaker in Parliament and the Election Commission outside Parliament, in public life, do not take cognizance of such foul language, let alone punishing them. Vulgar statements are not limited to Priyanka Gandhi alone. Congress leaders are now comparing Kangana Ranaut and Katrina Kaif's cheeks because Hema Malini has grown old. Women have also been called 'Parakati'. While in the Congress, Sanjay Nirupam had called the then Union Minister Smriti Irani 'Thumke wali'. The question is whether various political parties will continue to give 'protection' to such foul-mouthed leaders?

Evaluating Manmohan Singh's legacy, left a huge mark on the Indian policy scene

This is not an attempt to devalue Manmohan Singh's achievements, experience and personality, but it is related to the larger interest of the Indian democratic system. People choose their destiny-maker through the mandate of the people and such a person cannot hand over his rights to anyone else, even if that person has been in the Rajya Sabha for a long time. The country witnessed these situations between 2004 and 2014. After the demise of former Prime Minister Dr. Manmohan Singh, mourning was expressed from the middle class to the business world and industrial and political circles. Despite not being a true leader, he achieved so much on the political front, which some people can only imagine. Dr. Singh was also an intellectual and he left a huge mark on the Indian policy scene. However, it cannot be ignored that Dr. Singh could not make the expected impact in the way people sitting at the top of the political scene have the ability to influence the policies. Whether it was as Prime Minister or as Finance Minister before that, his role was mainly that of an assistant-adviser to the heavyweights with real political power, who worked to implement acceptable policies through the bureaucracy. When he was Prime Minister, all the political power was with Sonia Gandhi, who was involved in all the crucial decisions at that time. She had the power to encourage Manmohan Singh to take any decision as well as to stop him from taking any decision. Similarly, when Dr. Singh was the Finance Minister, it was actually Prime Minister Narasimha Rao who gave the green signal to the liberalization of the economy. It is an irony that Rao did not get the respect and place in Indian history which he completely deserved. He showed India the right path in the global era of instability after the Cold War and no matter how many questions are raised on him regarding the incident of December 6, 1992, this does not make his legacy questionable. The journey of people active in politics goes through various stages of ups and downs. Of course, the path is not easy for those who come from political families, but for those who do not have any political background, this journey becomes even more difficult. Only those who move forward through some kind of direct election become the true travelers of the political path. The political lessons gained through elections shape a person into a true leader. It helps them understand how to gauge the pulse of the public. More importantly, such leaders are successful in winning the trust of the public because they come to know through long-term communication with them what is in their minds and what they want. They become companions of the people in their joys and sorrows. This is an experience that people from the academic world, technocrats and private sector professionals may never be able to acquire. Therefore, it is completely justified that in a democratic system, only those people are eligible to occupy high political positions who can win the trust of the people. This aspect becomes even more remarkable in the case of the Prime Minister. This is not a post that should ever be filled through outsourcing. This is not an attempt to devalue Manmohan Singh's achievements, experience and personality, but it is related to the larger interest of the Indian democratic system. People choose their destiny-maker through the mandate and such a person cannot hand over his rights to anyone else, even if that person has been in the Rajya Sabha for a long time. The country witnessed the same situations between 2004 and 2014. This criterion of mandate applies to Jawaharlal Nehru, Indira Gandhi and Narendra Modi. Modi is leading the NDA on the basis of the mandate. Would it have been appropriate if he had remained active behind the scenes and handed over the post of Prime Minister to a professional? This point cannot even be considered, because people themselves expect that as long as they want, Modi should lead. Of course it cannot be said that leaders or Prime Ministers do not have political compulsions or requests. Of course this happens and they choose their options within those limits. It is believed that Atal Bihari Vajpayee wanted to make Jaswant Singh the Finance Minister, but could not do so due to pressure from the Sangh Parivar. Much later, in 2002, he was able to entrust the responsibility of the Finance Ministry to Jaswant Singh. This shows that the power equations had become more favourable to Atalji then. This is the character and nature of politics. Similarly, in the initial period after independence, Jawaharlal Nehru had to struggle with the pressure of the traditionalist section of his own party, but later he was successful in strengthening his hold through electoral victory. The same can be said about Indira Gandhi, who established her political dominance by splitting the Congress. Great administrators, strategic experts, soldiers, academics, entrepreneurs, diplomats, artists and people active in various other fields contribute to the country at their own level. They deserve respect and honour. Despite this, they should not aspire for the top political position and if the people who have received the mandate entrust them with such a responsibility in view of their interests, then the responsibility for the good or bad decisions taken during that period should also be of the same political people who entrust them with power. A clear distinction should be made between those people, Those who gain the trust of the people through the electoral process and those who win the mandate hand over power as a gift. The spirit of the Indian constitutional structure and political system is not rooted in such a gift system. In countries like America, this is almost impossible. Donald Trump has been elected President and he cannot transfer this mandate to anyone else.

Innovation is the engine of the new economy, more important than financial resources

30 percent of the country's startups are active in tier-2 and tier-3 cities and are creating more than five lakh jobs every year. Most of these enterprises started with a modest capital of just a few lakh rupees. The conclusion is that capital is very important for the enterprise but innovation is the real engine of the new economy. Now capital follows innovation. Industrialist Kumar Mangalam Birla recently said, 'Today even one crore rupees is not enough to start any business.' He was highlighting the aspect of expanding the business on a large scale and the capital required for it. At the same time, based on my experience of promoting innovation, I feel that today innovation and creativity are more important than financial resources. A simple innovation often provides extraordinary power than huge capital. More than 1.4 lakh startups are registered in India under Startup India. Lakhs of startups are preparing to come into existence. Most startups depend on modest research grants or small personal savings. From my association with the Startup Incubation and Innovation Centre (SIIC) at IIT Kanpur, I can say that most startups are armed with determination and a compelling idea and rely on small grants. In many ways, they start with as little as a lakh of rupees, provided by some government or non-government agency. These grants enable them to develop lab-scale prototypes and validate proof of concept. Once things move forward, they get access to angel investors. Angel Investor Ecosystem Early-stage startups receive about Rs 10,000 to Rs 15,000 crore every year through angel funding and government grants from bodies such as DPIIT, DST and Ministry of Defence, which are useful in meeting the initial needs of these new ventures. The venture capital or VC industry is also playing an important role in this. Stanford University visionary Professor Frederick Terman understood the potential of startups when he encouraged William Hewlett and David Packard to set up Hewlett-Packard Company. Later, this became the giant computer brand HP. Silicon Valley of America is full of such success stories of enterprises. In India itself, the VC industry has grown rapidly in the last 10 years. Till the year 1993, where only eight companies in this sector managed less than Rs 100 crore per year, now more than 1,750 companies are active in this industry, whose investment is close to two lakh crores per year. The traditional thinking is that it is necessary for a business to be big to compete. However, today's globalized economy has put a question mark on this concept, because even small companies expand their scope very quickly and become established at the global level. InMobi and Zoho are examples of this. They can be assessed not only by capital, but also by their innovative capabilities. These capabilities of theirs make them competitive. If we look at the famous Dabbawalas of Mumbai, they are a great example of expanding their scope through simplicity rather than capital. They distribute lunch boxes on a large scale every day and that too with limited infrastructure. In the new economy, wealth is also being rapidly created through intellectual property (IP). Innovation is the most important aspect of IP. IP not only helps in wealth creation but also in competition and growth. According to the World Intellectual Property Organization, the value of global IP assets was more than $100 trillion in 2020 and continues to grow. IP filings by startups in India have increased almost fivefold between 2013-14 and 2023-24. Innovation is not just limited to new and emerging technologies. Its success stories highlight the diverse and innovative spirit that is driving growth across India. If the question is whether innovation is more important or financial capital, then the facts speak for themselves. It is estimated that the startup ecosystem will create more than one crore jobs every year by 2025. According to a survey by NASSCOM and Zinnov in 2020, more than 58 percent of Indian students preferred to start their own startup over traditional career options. More than 70,000 startups were registered with DPIIT in 2023. Most of their founders are under 30 years of age. Tier-2 and Tier-3 cities account for 30 percent of the country's startups and are creating more than five lakh jobs every year. Most of these ventures started with a modest capital of just a few lakh rupees. The bottom line is that capital is extremely important for enterprise, but innovation is the real engine of the new economy. Now capital follows innovation. Success in business comes not from the size of your capital, but from the power of your ideas. Innovation is the biggest catalyst of growth, which turns dreams into ventures and obstacles into opportunities.However, today's globalized economy has put a question mark on this concept, because even small companies expand their scope very quickly and become established at the global level. InMobi and Zoho are examples of this. They can be assessed not only by capital, but also by their innovative capabilities. These capabilities of theirs make them competitive. If we look at the famous Dabbawalas of Mumbai, they are a great example of expanding their scope through simplicity rather than capital. They distribute lunch boxes on a large scale every day and that too with limited infrastructure.

जश्ने ग़रीब नवाज़ व उर्से सरकारे कलां हज़रत मुफ्ती सय्यद मुस्तजाब हुसैन क़दीरी ने किया हाज़रीन से ख़िताब

क्यूँ न लिखूँ सच -यूसुफ सिटी

मुरादाबाद की मारूफ शख़्सियत जनाब हाफिज़ मौहम्मद हनीफ साहब मरहूम के मकान पर ऐच ऐम ऐच हेनडी गिराफ्ट मोहल्ला लाल मस्जिद मुरादाबाद मे दो रोज़ा जश्ने ग़रीब नवाज़ व उर्से सरकारे कलां मुनअक़िद हुवा। पहले दिन 9 जनवरी जुमरात को बादे नमाज़े इशा तिलावते क़ुरआने करीम से महफ़िल का आग़ाज़ किया गया। इसके बाद मशहूर सना ख़्वां इरफान अशरफी, मास्टर नाज़ि अशरफी, परवेज़ अशरफी, अली क़दीरी, मोहसिन अशरफी, हस्सान अशरफी, कलीम अशरफी के साथ साथ पीर ज़ादा हाफिज़ सय्यद बूतुराब हुसैन क़दीरी ने भी नातिया व मनक़बती कलाम पेश किए। महफ़िल की सरपरस्ती मुरादाबाद की मश्हूरो मारूफ शख़्सियत हज़रत मुफ्ती सय्यद मुस्तजाब हुसैन क़दीरी ने फरमाइ और आप ने हाज़रीन से ख़िताब करते हुए ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ और सरकारे कलां की ज़न्दिगी पर रोशनी डाली और बुज़ुर्गों की तालीमात पर अमल करने की नसीहत की। महफ़िल मे पी ज़ादा हाफिज़्सू सय्यद बूतुराब हुसैन क़दीरी, सूफी अब्दुर्रहमान क़ादरी चिशती , सूफी शमसुल हसन क़दीरी ताज वाले, सूफी मौहम्मद जमाल इसहाक़ी, सूफी गुलाम साबिर क़दीरी,सूफी अब्दुल माजिद क़ादरी चिशती, मुफ्ती क़ासिम रज़ा अकरमी , मौलाना वसीम मदारी, के साथ साथ शहर के दीगर मोअज़ि हज़रात भी शरीक रहे। दूसरे दिन 10 जनवरी को जुमे की नमाज़ के बाद क़ुल शरीफ हुवा और हज़रत मुफ्ती सय्यद मुस्तजाब हुसैन क़दीरी ने दुआ फरमाइ। क़ुल शरीफ के बाद हज़ारों कि तादाद मे शरीक हाज़रीन को लंगर पेश किया गया। इस दो रोज़ा प्रोग्राम के इन्तेज़ामो एहतेमाम मे मौहम्मद नईम अशरफी, मौहम्मद मोहसिन अशरफी, मौहम्मद कलीम अशरफी, मौहम्मद हस्सान अशरफी वसीम अशरफी। मौहम्मद आलम, मौहम्मद ज़की, मौहम्मद नोमान व दीगर एहले ख़ाना पेश पेश रहे।

जीआईसी के प्रिंसिपल श्यामा कुमार बने संभल के डीआईओएस

वहीं मुरादाबाद के पूर्व बीएसए रहे अजीत कुमार को बनाया गया बरेली का डीआईओएस

मुरादाबाद। शासन ने प्रधानाचार्य श्यामा डीआईओएस बना बीएसए रहे अजीत डीआईओएस बनाया में ही डायट में प्रवक्ता शिक्षा अनुभाग 6 के कुमार की ओर से 9 मुरादाबाद के प्रधानाचार्य श्यामा जिला विद्यालय बनाया गया है। वह 5 वर्ष से अधिक समय से राजकीय इंटर कॉलेज में यहां प्रधानाचार्य के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह मूलरूप से हरदोई जिले के रहने वाले हैं। शुरूआत में वह अपने जिले में एडेड कॉलेज में शिक्षक के पद पर थे। 2005 में राजकीय सेवा में आए और शिक्षण के माध्यम से छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाना ही उनकी प्राथमिकता रही। उन्होंने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक के रूप में वह आगामी बोर्ड की परीक्षाओं को नकल विहीन, पारदर्शी तरीके से कराने में पूर्ण मनोयोग से कार्य करेंगे। साथ ही शासन की शिक्षा नीति व उसके कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएंगे।वहीं शासन ने मुरादाबाद में पूर्व में बीएसए पद पर तैनात रहे अजीत कुमार जो वर्तमान में बरेली डायट में प्रवक्ता हैं उन्हें बरेली में ही डीआईओएस बना दिया है।

राजकीय इंटर कॉलेज के कुमार को संभल जिले का दिया है। वहीं जिले में पहले कुमार को बरेली में गया है। वह वर्तमान में बरेली हैं। शासन के माध्यमिक विशेष सचिव आलोक जनवरी को जारी आदेश में राजकीय इंटर कॉलेज के कुमार को संभल जिले का निरीक्षक (डीआईओएस)

बुध बाजार में अतिक्रमण हटाओ अभियान का दुकानें बंद कर व्यापारियों ने जताया विरोध, बोले-उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेंगे

मुरादाबाद। बुध बाजार में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम व नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल के द्वारा जारी रोस्टर के अनुसार अतिक्रमण हटाने का अभियान चलना था। लेकिन व्यापारियों ने व्यापारी सुरक्षा फोरम के बैनर तले व्यापारियों ने एकजुटता दिखाते हुए अपनी दुकानें बंद कर नारेबाजी कर विरोध जताया।फोरम के महामंत्री नितिन राज ने कहा कि नगर निगम प्रशासन अतिक्रमण हटाने के नाम व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहा है। पहले जो चिह्नीकरण किया गया था वह उससे बढ़कर दुकानों के आगे निर्माण तोड़ना चाह रहे हैं। व्यापारी अभियान का विरोध नहीं कर रहे हैं, हम चाहते हैं कि व्यापारियों के हितों की सुरक्षा होना चाहिए, उनका उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। व्यापारियों ने दुकानों को बंद कर अपनी बात रखने को मजबूर हुए हैं। इस दौरान आशीष, अजय नारंग, विक्की अग्रवाल, अशोक, अशोक मदान, विजय मदान, संजय सहगल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद हैं। वहीं अपर नगर आयुक्त द्वितीय व अभियान के नोडल अधिकारी अजीत कुमार का कहना है कि व्यापारियों को एक दो दिन नहीं कई महीने पहले से खुद ही अपना अतिक्रमण हटाने का अवसर दिया गया था।पिछले दिनों भी घोषणा कराकर और व्यापारियों से अपना अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था। रोस्टर जारी कर 10 जनवरी से अतिक्रमण हटाने के लिए सबको जानकारी दी गई थी। किसी का उत्पीड़न नहीं हो रहा है। नियमों के अनुसार अभियान चलेगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

अधिशासी अधिकारियों को कूडा कलेक्शन एवं वियोजन पर विशेष ध्यान देने की जररुत जिलाधिकारी

श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टेऊट सभागार में नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायत के कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारियों को कूड़ा कलेक्शन एवं वियोजन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों को कूड़ा वियोजन को लेकर प्रेरित करें। इसके साथ ही उन्होंने समस्त अधिशासी अधिकारियों को एमआरएफ सेंटर को अच्छे से संचालन हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कर करेत्तर में प्रगति बनाने हेतु उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। समस्त नगर पालिका और नगर परिषदों को राजस्व बढ़ाने वाले कार्यों एवं परिसंपत्तियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारियों को अपने-अपने कार्य क्षेत्र में सौन्दर्यकरण एवं साफ सफाई पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए।

एक तरफ पार्कों का सौंदर्यीकरण, दूसरी ओर बदइंतजामी...लोगों को हो रही परेशानी

आशियाना सहित कई अन्य पार्कों का कराया जा रहा सौंदर्यीकरण, अटल पथ पर स्थित चंद्रशेखर पार्क में बदइंतजामी से लोगों को परेशानी

मुरादाबाद। एक तरफ जहां महानगर के पार्कों का स्मार्ट सिटी लिमिटेड व नगर निगम की ओर से सौंदर्यीकरण व उनको विकसित कराया जा रहा है। वहीं उसकी देखभाल में बदइंतजामी भारी पड़ रही है। पार्क में लगे झूले कहीं टूटे हैं तो कहीं लोग ओपन जिम में लगे उपकरणों से फिटनेस बना रहे हैं। ऐसे में पार्कों के सौंदर्यीकरण के साथ ही उसकी निगरानी भी निगम प्रशासन को करानी होगी। तभी इसकी उपयोगिता नागरिकों के लिए रहेगी। स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से महानगर के 10 पार्कों को प्रथम चरण में विकसित कराया गया। इसमें ओपन जिम भी स्थापित किए गए। पार्कों में बच्चों के खेलने के लिए झूले, ओपन जिम में उपकरण आदि लगे हैं। कई जगह उपकरणों के सही होने पर बच्चे और नागरिक खेलकूद कर और कसरत कर खुद को फिट रख रहे हैं। तो कहीं बदइंतजामी के चलते इसकी उपयोगिता नहीं हो रही है। पार्कों में देखभाल के इंतजाम नदारद होने से लोगों को परेशानी हो रही है। सिविल लाइंस स्थित अटल पथ स्थित चंद्रशेखर पार्क भी बदहाल है। यहां पर पार्क में लगे झूले टूटकर जमीन पर धराशायी हैं। तो कई उपकरणों की देखभाल न होने से वह कई जगह से टूट गए हैं। इस पार्क में महिला शौचालय में ताला बंद है। तो पार्क के कई हिस्सों में कूड़ा पसरा है। इस पार्क की बदइंतजामी से लोगों को यहां आने में संकोच होता है। क्योंकि यहां पर लंबे समय तक शौचालय बदहाल रहा। दरवाजे भी नहीं लगे थे। बाद में दरवाजे लगे तो उस पर ताला जड़ा है। कमोवेश यही स्थिति अन्य पार्कों की भी है। हालांकि कई पार्कों में सुविधाओं के बढ़ने से लोग इसका आनंद भी ले रहे हैं। आशियाना फेज एक में शिवशक्ति मंदिर वाले पार्क में हाल में ओपन जिम के अन्तर्गत लगे उपकरणों का लाभ आसपास के नागरिक सुबह शाम उठा रहे हैं। बच्चों की छुट्टी के दिनों में वह भी झूले आदि के अलावा पार्क में लगे अन्य उपकरणों का प्रयोग भी बड़ों के साथ कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद के काव्य गुप्ता ने KBC में जीते 6.40 लाख, महानगर के किस्सों को भी साझा किया

मुरादाबाद। महानगर की इंद्रा कॉलोनी निवासी काव्य गुप्ता ने टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में प्रतिभाग करके सीट पर खेलते हुए 6.40 लाख रुपये की धनराशि जीती है। वहीं उन्होंने शो होस्ट अमिताभ बच्चन के साथ महानगर के किस्सों को भी साझा किया। रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति में हॉट सीट पर बैठकर अभिनेता अमिताभ बच्चन के सवालों के जवाब देने की हसरत बहुत से लोगों की रहती है। यह तमन्ना शहर के काव्य गुप्ता की पूरी हो गई। फास्टेस्ट फिंगर फस्ट चरण में काव्य ने सबसे जल्दी जवाब दिया और अमिताभ बच्चन ने उनका नाम लिया तो वह भावुक हो उठे। काव्य ने हॉट सीट पर बैठकर खेलते हुए 6.40 लाख रुपये की धनराशि जीती है। गुरुवार को काव्य गुप्ता का एपिसोड टीवी पर प्रसारित भी हुआ। बड़ी बहन कनक गुप्ता ने बताया कि काव्य मूंढापांडे स्थित कॉलेज से लॉ की पढ़ाई कर रहे हैं। मां रिशा गुप्ता आंगनबाड़ी में काम करती हैं। इससे पहले कनक ने भी वर्ष 2023 में केबीसी में प्रतिभाग करके 3.20 लाख रुपये जीते थे।

गौरीशंकर मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य में तेजी, जल्द शुरू होगी पूजा

जिलाधिकारी के आदेश पर चल रहा जीर्णोद्धार का कार्य, नगर निगम प्रशासन लगवाएगा गेट और टाइल्स

मुरादाबाद। प्राचीन गौरीशंकर मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य में तेजी आई है। इस कार्य को पूरा कराकर जल्द ही इसमें पूजा पाठ सुचारू रुप से होगा। जिलाधिकारी के आदेश पर प्रशासन, पुलिस व नगर निगम की निगरानी में काम चल रहा है। प्राचीन गौरीशंकर मंदिर में बाहरी दीवारों की रंगाई पुताई के साथ ही गर्भगृह में जाने के लिए सीढ़ियों को निर्माण भी चल रहा है। मंदिर के सेवायत सेवाराम सैनी की शिकायत पर जिलाधिकारी अनुज सिंह ने मंदिर का निरीक्षण कर व्यवस्था सुचारू कराने का आदेश दिया था। जिसके बाद नगर निगम प्रशासन ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराने का जिम्मा उठाया। प्रशासन व पुलिस की ओर से मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। महापौर विनोद अग्रवाल व नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल के बीच बनी सहमति के क्रम में मंदिर में टाइल्स लगवाने के साथ ही रंगाई पुताई कराई जा रही है। इसके अलावा मंदिर में आने जाने के प्रवेश द्वार पर भव्य गेट भी निगम प्रशासन लगवाएगा। मंदिर के सेवायत के अलावा स्थानीय नागरिक भी जिला प्रशासन व नगर निगम की पहल पर मंदिर के जीर्णोद्धार कराने पर खुशी जता रहे हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि मंदिर में जल्द ही सभी व्यवस्था सुचारू करा दिया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

किसान मुफ्त बिजली योजना में कराएं पंजीयन में लाएं तेजी

क्यूँ न लिखूँ सच

आज जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में किसान मुफ्त बिजली योजना के कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि 31 मार्च 2025 तक अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन कराने को कहा। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत अखिलेश कुमार ने बताया कि किसान मुफ्त बिजली योजना उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। जिसके अंतर्गत 31 मार्च 2023 के बाद निजी नलकूप धारक किसानों के बिजली के बिल माफ किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 10 हॉर्स पावर तक के निजी नलकूप धारक किसान के लिए 1045 यूनिट निशुल्क रहेगी। उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2023 के बाद के निजी नलकूप के लिए किसान मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए किसान को नचचबसण्वतह वेबसाइट पर अपना पंजीयन करना होगा उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2023 से पूर्व के निजी नलकूप के बिजली के बिल का भुगतान संबंधित किसान को करना होगा। जो वह 06 किस्तों में कर सकता है। उन्होंने बताया कि किसान को अपने घर के विद्युत कनेक्शन के संबंध में ब्यौरा भी देना होगा तथा उसके लिए केवाईसी भी करानी होगी। उन्होंने बताया कि जनपद में करीब 40 हजार निजी नलकूप धारक किसान है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा सहित विद्युत विभाग के अन्य अभियंता आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की डूडा मुरादाबाद के कार्यों की समीक्षा

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने जिला नगरीय विकास अभिकरण मुरादाबाद द्वारा संचालित योजनाओं में प्रगति की समीक्षा की। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में विस्तार एवं निर्माण संबंधी प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पी0ओ0 डूडा को योजना के अंतर्गत जारी की गई तृतीय किस्त एवं पूर्ण आवासों की संख्या में अंतर को कम करने हेतु फॉलोअप करके उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में मुख्यमंत्री नगरी अल्प विकसित व मलिन बस्ती विकास योजना पर भी चर्चा की गई, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को यथोचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द्र, पी0ओ0 डूडा श्रीमती अनामिका सक्सेना, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत/ नगर पालिका एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सहायक निदेशक सेवायोजन डा0 सुशील कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वार सेवायोजन विभाग के पोर्टल **rojgaarsangam.up.gov.in** के माध्यम से जापान में केयरगिवर व केयरटेकर, जर्मनी में नर्सिंग एवं इजराइल में केयरगिवर व पेशेन्टकेयर के पदों के सापेक्ष योग्य अभ्यर्थियों की मांग की गयी है, जिसका नोटिफिकेशन सेवायोजन विभाग के **rojgaarsangam.up.gov.in** पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस नोटिफिकेशन में पदों से संबंधित वांछित योग्यताओं का विस्तृत विवरण उल्लिखित है। संबंधित नोटिफिकेशन को **rojgaarsangam.up.gov.in** पोर्टल के होम पेज पर जॉब आइकन में जाकर ओवरसीज जॉब में देखा जा सकता है। उक्त पदों के सापेक्ष योग्य अभ्यर्थियों के आवेदन हेतु रिक्तियों को पोर्टल पर लाइन भी कर दिया गया है। सहायक निदेशक सेवायोजन ने बताया कि रिक्ति में अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल पर जनरल जॉब सीकर के रुप में पंजीयन कराने के उपरान्त **rojgaarsangam.up.gov.in** पोर्टल पर अपलोड रिक्ति में अपनी यूजर आईडी को लॉग-इन कर योग्यतानुसार आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस के दिन में संपर्क किया जा सकता है।

बरेली न्यायालय परिसर के बाहर अधिवक्ता पर दिन दहाड़े फायरिंग , बदमाशों के हौंसले बुलंद

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- बरेली में कोर्ट परिसर के बाहर एक अधिवक्ता पर फायर कर दिया। गोली चलते ही वह जमीन पर गिर पड़े और बाल-बाल बच गए। घटना के बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया ।आज शुक्रवार को दोपहर कोर्ट परिसर के बाहर अधिवक्ता राम सोलंकी पर अचानक फायर झोंक दिया। गोली चलते ही वह तुरंत जमीन पर गिर गए, जिससे उनकी जान बच गई। गोली की आवाज सुनते ही परिसर में अफरा तफरी मच गई। अन्य अधिवक्ताओं ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए आरोपियों को पकड़ लिया और उनकी पिटाई कर दी , पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चार आरोपियों को हिरासत में लिया और उन्हें कोतवाली ले जाकर पूछताछ शुरू कर दी। आरोपियों को छुड़ाने के दौरान पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि अधिवक्ताओं का गुस्सा शांत नहीं हो रहा था ,घटना की गंभीरता को देखते हुए आलाधिकारी, एसपी सिटी और सीओ प्रथम भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर कार्यवाही तेज कर दी है ।।

ग्राम पचोमी में पंचेश्वर नाथ मंदिर में बाबा की बेरहमी से हत्या, गांव में फैला दहशत का माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच -रजनीश श्रीवास्तव

बरेली- बुधवार रात फरीदपुर के पचौमी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया। पंचेश्वर नाथ मंदिर में रहने वाले बाबा शिव चंद गिरी की डंडा और ईंट से कुचलकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। गुरुवार को गांव के लोगों ने बताया कि बाबा शिव चंद गिरी ने रात में पंचेश्वर नाथ मंदिर पर शराब पी थी। इसके बाद वह काली माता गौगड़ा मंदिर पहुंचे, जहां उनकी हत्या कर दी गई। जब बाबा अमित गिरी मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने शिव चंद गिरी को गंभीर हालत में पाया। ग्राम प्रधान को सूचना दी गई, जिन्होंने तत्काल एंबुलेंस मंगवाई, लेकिन अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से डंडा, ईंट और अन्य साक्ष्य जब्त किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। मृतक बाबा करीब छह दिन पहले ही बाहर से आकर पंचेश्वर नाथ मंदिर में रह रहे थे। इस हत्या के बाद गांव के लोग डरे हुए हैं और घटना को लेकर हैरान हैं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाएगी। यह घटना समाज में बढ़ती हिंसा और असुरक्षा को उजागर करती है। ग्रामीण अब जल्द न्याय की उम्मीद कर रहे हैं।

पंचायत भवन सभागार में मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की कार्यशाला आयोजित

योजना से जुड़कर उद्यशीलता की ओर युवा बढ़ाये कदम, संवारे भविष्य-मण्डलायुक्त मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से प्रदेश व जिले में एमएसएमई को लगेंगे पंख परियोजना लागत का 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान निर्धारित एमएसएमई पोर्टल पर ही प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने की व्यवस्था कर दी गयी है आज पंचायत भवन सभागार में मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा विकास योजना के संबंध में वृहद कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। मण्डलायुक्त ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा की यह योजना बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है और इस योजना से युवक उद्यमशीलता की ओर कदम बढ़ाकर भविष्य को संवारेंगे। उन्होंने कहा कि अपनी क्षमता और नए आइडिया का इस्तेमाल कर इस योजना का लाभ उठाएं। इस योजना के अंतर्गत समय से लोन मिल सके, इसकी मॉनिटरिंग नियमित तौर पर की जाएगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि इस योजना को ज्यादा से ज्यादा युवाओं तक पहुंचाया जाए, जिसे वह अपने सपने और नए आइडियाज को व्यावहारिकता में साकार कर सकें। मण्डलायुक्त द्वारा योजनान्तर्गत सकारात्मक कार्यवाही करने पर प्रथमा ग्रामीण बैंक की सराहना भी की। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार का रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार पर भी जोर है, इस योजना से युवा अपनी उन्नति के साथ-साथ अपने साथ कुछ और लोगों की भी उन्नति में सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं। इस योजना में युवाओं को ध्यान में रखते हुए स्वरोजगार के लिए सुलभ ऋण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि एमएसएमई पोर्टल पर विशेषज्ञों द्वारा वीडिया भी अपलोड किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को उद्यम संबंधी सहायता मिल सकेगी। कार्यशाला में संयुक्त आयुक्त उद्योग ने बताया कि योजना का लाभ उठाने हेतु अप्लाई करने के दौरान फोटो, हस्ताक्षर, आयु प्रमाण पत्र, व्यक्तिगत/पैतृक मकान (बिजली बिल/वोटर आईडी/आधार कार्ड की प्रति), शैक्षणिक योग्यता संबंधी प्रमाण-पत्र, स्वप्रमाणित शपथ-पत्र, जाति प्रमाण पत्र (अनु0जाति/अनु0जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग), ऋण प्रदाता बैंक के साथ संपर्क इतिहास (संबंधित बैंक शाखा में चालू/बचत खाता के पासबुक का प्रथम पृष्ठ की प्रति), अनुभव प्रमाण पत्र अथवा अन्य सुसंगत प्रमाण पत्र की प्रति, दिये गये पते पर कब से निवास कर रहे हैं (पार्षद/ग्राम प्रधान/वार्ड मेम्बर द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र की प्रति), पैन कार्ड, परियोजना रिपोर्ट तथा कौशल प्रमाण पत्र/प्रशिक्षण प्रमाण पत्र/आरएसईटी से प्राप्त प्रशिक्षण/आईटीआई से प्राप्त प्रशिक्षण/कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।उन्होंने बताया कि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम रुपए 5 लाख तक की परियोजनाओं के ऋण पर अनुदान निर्धारित किया जाएगा। रुपए 5 लाख से अधिक रुपए 10 लाख तक परियोजना लागत वाली इकाइयों में ऋण वित्त की व्यवस्था लाभार्थी को स्वयं के स्त्रोतों से करनी होगी जिसके सापेक्ष कोई अनुदान देय नहीं होगा। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की परिभाषा भारतीय संसद द्वारा अधिनियमित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 में यथा परिभाषित से है। उद्योग का सुस्पष्ट आशय विनिर्माण क्षेत्र से है। विनिर्माण क्षेत्र में संलग्न होने वाली सभी इकाइयां उद्योग की श्रेणी में वर्गीकृत की जाएगी।

सेवा क्षेत्र का आशय ऐसी इकाइयों से है जो ट्रेडिंग (किसी सामान को क्रय कर उसको उसी रूप में विक्रय करना) तथा विनिर्माण क्षेत्र से भिन्न हो तथा किसी तरह की सेवा से संबंधित हो। ऋण कंपोजिट लोन प्रकृति का होगा। कुल परियोजना लागत का न्यूनतम 10 प्रतिशत टर्म लोन के रूप में होना अनिवार्य होगा। परियोजना में भूमि भवन का किराए सम्मिलित नहीं होगा । सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को परियोजना लागत का 15 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभार्थी को परियोजना लागत का 12.5 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति/दिव्यांगजन के लाभार्थी को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा। लाभार्थी को परियोजना लागत अथवा अधिकतम रुपए 5 लाख जो भी कम हो का 10 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी के रूप में दिया जाएगा। यह अनुदान बैंक इंण्डेड होगा। परियोजना लागत अथवा अधिकतम रुपए 5 लाख जो भी कम हो के सापेक्ष बैंक/ वित्तीय संस्था से लिए गए ऋण के शत प्रतिशत ब्याज का उपादान वित्त पोषण की तिथि से अगले 4 वर्षों के लिए दिया जाएगा। सीजीटीएमएसई कवरेज हेतु आवश्यक धनराशि का वहन भी 4 वर्षों तक राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। यदि लाभार्थी द्वारा स्वयं के स्त्रोतों से किसी ऋण पर वित्तीय संस्था/बैंक से सीजीटीएमएसई कवरेज की सुविधा ली गई हो तो भी प्रस्तावित योजना में उसे ऋण एवं सीजीटीएमएसई कवरेज दिए जाने पर कोई रोक नहीं होगी। ब्याज उपादान त्रैमासिक आधार पर दिया जाएगा। लोन की तिथि से 06 माह की अधिस्थगन अवधी दी जाएगी। द्वितीय चरण की परियोजना लागत अधिकतम रुपए 10 लाख हो सकेगी तथा प्रथम स्टेज में लिए गए ऋण का अधिकतम दोगुना अथवा रुपए 7.50 लाख जो भी कम हो, की ऋण धनराशि पर 50 प्रतिशत ब्याज उपादान वित्त पोषण की तिथि से अगले तीन वर्षों के लिए दिया जाएगा द्वितीय चरण की परियोजना में कोई मार्जिन मनी सब्सिडी देय नहीं होगी। इस योजना का लाभ लेने हेतु आवेदक उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए, आवेदक की आयु 21 से 40 वर्ष होनी चाहिए, आवेदक की योग्यता न्यूनतम कक्षा 8 उत्तीर्ण होना चाहिए, इंटरमीडिएट उत्तीर्ण अथवा समकक्ष को वरीयता दी जाएगी। आवेदक सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं जैसे विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूल किट योजना, अनुसूचित जाति/जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल डेवलपमेंट मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन आदि में प्रशिक्षित हों, अथवा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय शैक्षणिक संस्थान से कौशल संबंधी सर्टिफिकेट कोर्स डिप्लोमा डिग्री प्राप्त हो, पूर्व में पीएम स्वनिधि योजना के अतिरिक्त राज्य अथवा केंद्र सरकार द्वारा संचालित किसी अन्य योजना में ब्याज अथवा पूंजी उपादान का लाभ प्राप्त न किया हो। ऑनलाइन आवेदन हेतु **https://msme.up.gov.in** पर किया जा सकता है। कार्यशाला में संयुक्त आयुक्त उद्योग श्री योगेश कुमार, एलडीएम, बैंक को-आर्डिनेटर्स सहित संबंधित अधिकारीगण एवं आमजनमानस उपस्थित रहें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

रिठौरा मंडल अध्यक्ष एवं जिला प्रतिनिधि का हुआ स्वागत -सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नगर पंचायत रिठौरा के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष वेदप्रकाश पटेल एवं जिला प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता का नगर पंचायत कार्यालय सभागार में शुक्रवार को राम नामी पटका तथा फूल मालाएं पहनाकर स्वागत - सम्मान किया गया।इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष गोकरन लाल कश्यप, रमेश वर्मा, राजीव उर्फ लवकुश साहू,चरन सिंह, धर्मेंद्र पटेल, इरशाद अंसारी, वेदपाल पटेल , राजीव सक्सेना,सूरज साहू, अन्नू साहू, राजेश कुमार गुप्ता,ओ0पी0 प्रजापति, रमेश कश्यप, राकेश यादव,हिमांशु गुप्ता, त्रिदेव शर्मा ,राजेश गंगवार, लोकेश कुमार गुप्ता, देवीदास, आदि लोग मौजूद रहे।

कलापुर में फ़ूड इंस्पेक्टर ने भरे सैंपल

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना इज्जतनगर के गांव कलापुर स्थित शिबा ढाबा,मोगा ढाबा पर शुक्रवार को फ़ूड इंस्पेक्टर करन सिंह, जितेन्द्र कुमार की दो सदस्यीय टीम ने शिबा ढाबा, मोंगा ढाबा पर पनीर,आटा, रिफाइंड सोयाबीन तेल के सैंपल भरे, फ़ूड इंस्पेक्टर श्री सिंह ने बताया नगर में अभियान चलाकर होटल,ढाबे, खरोंचों में भी शीघ्र सैंपल भरे जाएंगे।

कक्षा 06 एवं 09 के लिए अटल आवासीय विद्यालय के प्रवेश हेतु आवेदन की अन्तिम तिथि 20 जनवरी 2025

प्रवेश परीक्षा हेतु परीक्षा पेटर्न निर्धारित, प्रवेश परीक्षा की तिथि 23 फरवरी 2025 प्रधानाचार्य अटल आवासीय विद्यालय श्री ए0के0 महतो ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय पीपली तहसील बिलारी मुरादाबाद मे शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 06 एवं कक्षा 09 में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। पूर्ण रुप से भरे हुए आवेदन पत्र जनपद के संबंधित श्रम कार्यालय में जमा करने की अन्तिम तिथि 20 जनवरी 2025 है एवं प्रवेश परीक्षा की तिथि 23 फॅरवरी 2025 है। उन्होंने बताया कि कक्षा 06 में प्रवेश हेतु पात्र आवेदक का जन्म 01.05.2013 से पहले तथा 31.07.2015 के बाद नहीं होना चाहिए तथा कक्षा 09 में प्रवेश हेतु पात्र आवेदक का जन्म 01.05.2010 से पहले तथा 31.07.2012 के बाद नहीं होना चाहिए। इसके साथ इस विद्यालय में सभी आधुनिक सुविधाओं युक्त सह शैक्षिक आवासीय विद्यालय है, बालक /बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक छात्रावास, नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सीबीएसई पेटर्न, भोजन व छात्रावास की व्यवस्था सहित बालिक/बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल एवं अन्य गतिविधियों को प्रोत्साहन कराना आदि सुविधाएं हैं। उन्होंने बताया कि कक्षा 06 हेतु चयन प्रक्रिया के अन्तर्गत मानसिक क्षमता परीक्षण में प्रश्नों की संख्या 40 निर्धारित है जिसमें 50 अंक व 60 मिनट समय रहेगा, अंक गणित परीक्षा 20 प्रश्नों संख्या निर्धारित, जिसमें 25 अंक व 30 मिनट का समय निर्धारित रहेगा तथा भाषा परीक्षण में 20 प्रश्नों की संख्या निर्धारित, जिसमें 25 अंक एवं 30 मिनट समय रहेगा, कुल मिलाकर कक्षा 06 के लिए 80 प्रश्नों की संख्याओं पर 100 अंक निर्धारित हैं, जिसके लिए 2 घंटे का समय रहेगा। इसके साथ कक्षा 09 में अग्रेंजी टेस्ट में 15 प्रश्नों की संख्या निर्धारित, जिसके 15 अंक रहेगे, हिन्दी टेस्ट में प्रश्नों की संख्या 15 जिसमें 15 अंक रहेंगे, गणित टेस्ट में 35 प्रश्नों की संख्या पर 35 अंक निर्धारित, विज्ञान टेस्ट में 35 प्रश्नों की संख्याओं पर 35 अंक निर्धारित हैं। कक्षा 09 के लिए कुल मिलाकर 100 प्रश्नों की संख्या पर 100 अंक निर्धारित, जिसमें 02 घंटे 30 मिनट का समय निर्धारित है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

अवैध कब्जों पर मंत्री विश्वास सारंग का एक्शन शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग की तैयारी में थे भू माफिया

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार तिवारी डिप्टी मैनेजर

भोपाल पहले भी नगर निगम कमिश्नर को अवैध कब्जों, अवैध कॉलोनीयों को लेकर चेतावनी दे चुके हैं मंत्री सारंग!करोंद क्षेत्र में अवैध कब्जों को लेकर मंत्री सारंग ने किया औचक निरीक्षण!मंत्री

सारंग ने अवैध प्लॉटिंग को लेकर अधिकारियों को लगाई फटकार!शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग की तैयारी में थे माफिया!मंत्री सारंग को देख गाड़ी छोड़कर भागे,पुलिस ने कब्जे में लिया वाहन!मंत्री सारंग ने अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के दिये निर्देश!प्राइवेट लेंड एक्ट के तहत कार्रवाई करने के भी दिये निर्देश!भोपाल के सभी बाईपास से लगे हुए ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों में धड़ल्ले से चल रही है अवैध प्लाटिंग!मध्यम परिवारों को चूना लगा रहे हैं अवैध कॉलोनाइजर!ना नियम, ना कागज,ना सुविधाएं,जमकर चल रहा है अवैध प्लाटिंग का खेल!शासन प्रशासन नहीं लगा पा रहा है लगाम!आखिर किनके संरक्षण में खुले तौर पर अवैध प्लाटिंग कर रहे हैं कॉलोनाइजर!रातीबड़-नीलबड़,लांबाखेड़ा,ईंट खेड़ी,बैरसिया रोड,सुखी सेवनिया, अयोध्या बायपास,कोकता बाईपास एवं अन्य कई क्षेत्रों में जमकर चल रहा है अवैध प्लाटिंग का खेल भू माफिया द्वारा देखा जा रहा है कि सरकारी जमीनों को भी अपने नाम पर करा लिया जाता है आखिर ऐसे भूमाफियों पर क्यों नहीं होती कार्यवाही शासन प्रशासन को चाहिए कि जहां भी अवैध कब्जा भूमाफियों द्वारा किया गया है सभी जमीनों को चिन्हित कर मध्य प्रदेश शासन कर दिया जाना चाहिए और भू माफिया के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होना निश्चित किया जाए

प्रदेश अध्यक्ष झारखंड पत्रकार राज संघ में नियुक्ति किए गए श्रेय टीवी के पत्रकार कुमार राजीव

क्यूँ न लिखूँ सच

कुमार राजीव हजारीबाग जिले के निवासी हैं और श्रेय टीवी के स्टेट हेड झारखंड हैं जो अक्सर समाज कि अच्छाइयों और बुराइयों को चैनल में खबर प्रकाशित करते रहते है इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश पत्रकार राज संघ में प्रदेश और इसी कड़ी में आगे संघ के संस्थापक नरेश प्रदीप कुमार तिवारी का जो संगठन के द्वारा सूझबूझ और ईमानदारी और पत्रकारों के हित का उठाएंगे और हर संभव समय पत्रकारों के लिए राज्य सरकार से और

प्रभारी के अनुशंसा पर अध्यक्ष मनोनीत किए गए हैं कुमार राजीव ने पत्रकार राज शर्मा का और राष्ट्रीय अध्यक्ष आभार व्यक्त किया है और दायित्व मिला है वह बड़ी से अपने पद का निर्वाह करेंगे जो भी होगा उनकी आवाज प्रयास करेंगे की आने वाला अच्छा समय हो उसके लिए भारत सरकार से पत्रकारों के हितार्थ में जो यथा संभव हो करने और कराने का पूरा प्रयास करेंगे और जो भी पत्रकार साथी लगातार एक संस्था से लगातार पांच साल या पांच साल से ऊपर काम कर रहे हैं उनको अधिमान्य पत्रकार बनाने में जिला जनसंपर्क अधिकारी से मिलकर यह कार्य पूर्ण कराने में अपना योगदान देंगे कुमार राजीव को पत्रकार राज संघ में प्रदेश अध्यक्ष झारखंड बनाए जाने पर परिवार जनों,युवाओं और क्षेत्रवासियों में खुशी कि लहर है लगातार बधाईया मिल रही है और उनके उज्वल भविष्य कि कामना कि जा रही है

गर्भ में शिशु की मौत: पीड़िता के इलाज में लापरवाही का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- श्रावस्ती के गिलौला में संचालित एक पाली क्लीनिक पर बहराइच के सेवढ़ा गांव के युवक ने प्रसव के मामले में इलाज में लापरवाही और धन उगाही का आरोप लगाया है। युवक का कहना है कि उसकी पत्नी के गर्भ में बच्ची की मौत हो गई और क्लीनिक के डॉक्टरों ने इस बारे में जानकारी नहीं दी। धर्मेंद्र यादव, निवासी सेवढ़ा, बहराइच, अपनी पत्नी को प्रसव के लिए संतोष पाली क्लीनिक लेकर आए थे। डॉक्टरों ने उन्हें नॉर्मल डिलीवरी का आश्वासन दिया था। आरोप है कि अगले दो दिनों तक डॉक्टरों ने इलाज के नाम पर उन्हें दौड़ाया और 20,000 रुपये की मांग की। गर्भ में शिशु की मौत छुपाई गई आरोप है कि महिला के गर्भ में शिशु की मौत हो चुकी थी, लेकिन क्लीनिक के डॉक्टरों ने इस बात की जानकारी नहीं दी। जब महिला की हालत गंभीर हो गई, तो धर्मेंद्र अपनी पत्नी को गिलौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टरों ने बताया कि शिशु की मौत हो चुकी है और महिला को जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी। धर्मेंद्र अपनी पत्नी को जिला अस्पताल ले गए, जहां महिला ने मृत बच्ची को जन्म दिया। इस दौरान महिला की जान बचाई जा सकी। पीड़ित ने आइजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में सीएमओ ने कहा कि जांच कराई जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था, लेकिन अब जांच की जा रही है।

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जा रहा है जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच -रिंकू जायसवाल

श्रावस्ती- श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार के %मिशन शक्ति फेज-5 के तहत श्रवस्ती पुलिस द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, सशक्तिकरण हेतु व्यापक जागरूकता अभियान

चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देशन में मिशन शक्ति टीमों ने प्रमुख बाजारों, स्कूलों, धार्मिक स्थलों और गांवों में महिलाओं को सरकारी योजनाओं (कन्या सुमंगला योजना, उज्जवला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, आदि) और महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों (1090, 112, 181, 1930) की जानकारी दी। जिसके क्रम में शक्ति मोबाइल टीम की मा0आ? सरिता जायसवाल, शांति शुक्ला, पूजा तिवारी, प्रिया मिश्रा द्वारा थाना को0 भिनगा के ग्राम चौधरी पुरवा व गुलरा, भलाईहा, बलदेव प्रसाद नागरिक इन्टर कॉलेज में, थाना सिरसिया की महिला उप निरीक्षक नमिता सिंह, पूजा, महिला आरक्षी नीतू द्वारा मशाह कालान गाँव में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसके तहत साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए महिलाओं और बालिकाओं को बताया गया कि ऑनलाइन ठगी, छेड़छाड़, फेक प्रोफाइल और साइबर स्टॉकिंग से बचने के लिए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 का उपयोग करें। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर सुरक्षित रहने, मजबूत पासवर्ड रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी गई।

यूपी में 'नो हेलमेट-नो फ्यूल' व्यवस्था सभी जिलों में लागू

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। परिवहन आयुक्त ने सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए सभी जिलों में सख्त कदम उठाने के लिए कवायद शुरू कर दी है। आयुक्त ने बुधवार को सभी डीएम और एसपी को पत्र भेजा है कि हेलमेट न पहनने वालों के वाहन का चालान जरूर किया जाए। पेट्रोल पम्प संचालकों के साथ संवाद कर कर्मचारियों को जागरूक करें कि हेलमेट न पहनने वालों को पेट्रोल न दें। उन्होंने पत्र में वर्ष 2019 में नोएडा के अंदर नो हेलमेट-नो फ्यूल व्यवस्था के सख्ती से लागू होने का उदाहरण भी दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में हादसे रोकने के लिए कई निर्देश दिए थे। इसके बाद नो हेलमेट, नो फ्यूल व्यवस्था फिर से लागू की गई है। परिवहन आयुक्त बीएन सिंह ने पत्र में लिखा कि एक जून, 2019 को नोएडा में नो हेलमेट नो फ्यूल लागू होने का परिणाम भी दिखा था। वहां हेलमेट पहनने वाले बढ़ने से हादसों में भी कमी हुई थी। हर 15 दिन पर इसकी समीक्षा को भी कहा गया है। चार साल से ज्यादा उम्र के बच्चों के लिए भी हेलमेट जरूरी मोटर वाहन अधिनियम के तहत चार साल से अधिक आयु के बच्चों को भी हेलमेट पहनना जरूरी है। सिर्फ सिख धर्म के लोगों को पगड़ी की वजह से इस नियम से छूट दी गई है। आयुक्त ने अफसरों से कहा है कि व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट की तरह शहरी इलाकों में लागू की जाए।

पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती जी का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया जायगा

क्यूँ न लिखूँ सच

राकेश गुप्ता

जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी शामली द्वारा प्राप्त

जानकारी के अनुसार 15 जनवरी को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवम पूर्व राज्यसभा सदस्य पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती जी का जन्मदिन बड़ी धूमधाम के साथ शामली में मनाया जाएगा। सभी से अपील है सद्भावना के साथ जन्मदिन की खुशी प्रेम पूर्वक मनाये।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला सहकारिता विकास समिति की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सहकारिता विकास समिति (डी0सी0डी0सी0) की बैठक अटल बिहारी बाजपेयी सभागार कलेक्ट्रेट में आहूत की गयी। जिलाधिकारी ने जिले की जो दुग्ध समितियाँ जाये। सहकारिता विभाग के निबन्धन की कार्यवाही चल रही पूर्ण रूप से गठित करने के निर्देश मिशन कायाकल्प के अन्तर्गत पैक्स का जीर्णोद्धार के प्रस्तावित समितियों का मिशन कायाकल्प उर्वरक तथा ऋण वितरण के महत्वपूर्ण योजनाओं के अन्तर्गत की जायें। जिला सहकारिता (डी0सी0डी0सी0) का मुख्य एक एम-पैक्स का गठन किया सप्ताह में जिलाधिकारी द्वारा पुनः

विकास कार्यो की समीक्षा की जाएगी। इस अवसर पर जिसमें अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, जिला कृषि अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, दुग्ध अधिकारी, डी0डी0एम0 नाबार्ड, सचिव, मुख्य कार्यपालक अधिकारी डी0सी0बी0 बदायूँ और सहकारिता विभाग के सभी ए0डी0सी0ओ0 ने प्रतिभाग किया। बैठक के संयोजक सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता रहे।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

हिंदू धनुर्वेदी शाही अखाडे की 150 बालिकाओं का पहला जत्था प्रयागराज रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर सेक्टर 1 से हिंदू धनुर्वेदी शाही अखाड़े की लगभग

450 बालिकाएं 150 के तीन जत्थों में प्रयागराज में होने जा रहे हैं महाकुंभ में सम्मिलित होगी। प्रयागराज के महाकुंभ में बालिकाओं का संचलन और अखाड़ा निकाला जाएगा जिसमें बालिकाएं तलवार ढाल, भाले और अन्य शस्त्रों के साथ शस्त्र कला का प्रदर्शन करेगी। अखाड़ा प्रमुख कमल पवार ने बताया कि सनातन संस्कृति के प्रचार प्रसार और बहनों को सुरक्षित आत्मरक्षा के लिए 1 वर्ष का कठिन प्रशिक्षण प्राप्त सभी बालिकाएं प्रयाग राज जा रही है। इस प्रशिक्षण में शाखों का आयोजन किया जाता है जिसके उपरांत प्राथमिकत वर्ग होता है जिसमें प्रतियोगिता आयोजित की जाती है प्रतियोगिता के उपरांत शिक्षकों का चयन होता है चयन प्रणाली के बाद दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाता है।

तेज रफ्तार कार ने ई रिक्शा से टकराई अनियंत्रित होकर कार गहरे खाई में गिरी

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- जनपद के नवीन मॉडर्न थाना क्षेत्र के कटरा वीरपुर मार्ग पर क्रेटा कार ने ई रिक्शा को टक्कर मार दिया। जिसके बाद

कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी में जा गिरी।वहीं आसपास के लोगों ने तत्काल कार सवार सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जिससे एक बड़ी घटना होते-होते टल गई जबकि मौके से रिक्शा चालक फरार हो गया।दरअसल जानकारी के मुताबिक नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती क्षेत्र के नरपतपुर तिरछा के निवासी महिलाओं बच्चों समेत कुछ लोग क्रेटा कार में सवार होकर सवार समदा मिट्टी मे जा रहे थे।तभी कटरा वीरपुर मार्ग के बरगदही मोड़ के पास अचानक सामने से आ रहे ई रिक्शा को चालक मोड़ने लगा।इस दौरान कार ई रिक्शा को टक्कर मारते हुए सड़क किनारे पानी में चली गई। वहीं हादसे के बाद तत्काल मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।आनन फानन में सभी ने कार का दरवाजा खोलकर अंदर बैठे सभी को एक-एक कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं कार मे सवार सभी लोग सुरक्षित हैं जबकि हादसे के बाद ई रिक्शा चालक रिक्शा को छोड़कर मौके से फरार हो गया।वही ई रिक्शा में बैठे सभी लोग भी सुरक्षित हैं। दरअसल आसपास लोगों के समय से पहुंचने से एक बड़ा हादसा होते टल गया। यदि रात का समय होता तो हादसा बड़ा हो सकता था।

राप्ती नदी की कछार में मिट्टी खनन का हो रहा कारोबार

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- श्रावस्ती के तहसील क्षेत्र जमुनहा के अंतर्गत राप्ती

बैराज मोहनपुर भरथा सहित कई अन्य नदी की कछारों से दिन के उजाले में बलुही मिट्टी का खनन जारी है। खनन करने वाले इतने निडर और उनके हौसले इतने बुलंद हैं कि वह सुबह से लेकर शाम तक दिन के उजाले में ट्रैक्टर ट्रालियों पर ओवर लोड बलुही मिट्टी लादकर फर्राटा मारते घूम रहे हैं। इस इस बारे में जब पूछा गया कि तुम्हे प्रशासन का खौफ नहीं है तो बेधड़क होकर कहा कि यह सब चलता रहता है।

सूरजपुर पुलिस ने किया 228 दो पहिया व 12 चार पहिया लावारिश व अदावाकृत वाहनों की नीलामी

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। जिले में पुलिस ने जप्त व लावारिश वाहनों की नीलामी की। लावारिश व अदावाकृत वाहनों के नीलामी की प्रक्रिया विधिवत् जल्द पूर्ण कराने के निर्देश आईजी सरगुजा रेंज श्री अंकित गर्ग के द्वारा दिए थे। जिसके परिपालन में सूरजपुर पुलिस द्वारा 228 दो पहिया वाहन व 12 चार पहिया वाहनों की नीलामी जिला दण्डाधिकारी सूरजपुर के द्वारा गठित टीम के द्वारा की गई। इस नीलामी में कुल 48 निविदा फार्म प्राप्त हुए थे। नीलामी से शासन को कुल 5 लाख रूपये का राजस्व मिला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो की अध्यक्षता व डिप्टी कलेक्टर चांदनी कंवर सहित गठित टीम के सदस्यों की मौजूदगी में जिला सूरजपुर के विभिन्न थाना व चौकियों में लंबे समय से रखे लावारिश व अदावाकृत मोटर सायकलों व 4 पहिया वाहनों को रक्षित केन्द्र परिसर में एकत्रित किया गया था। बुधवार, 08 जनवरी 2025 को रक्षित केन्द्र ग्राउण्ड में आयोजित नीलामी कार्यवाही में जिला सहित दिगर जिलों के 48 बोलीकर्ता उपस्थित हुए जो बढ़-चढ़कर हिस्सा लिए, अम्बिकापुर के रॉयल स्टील के प्रोपराईटर मो. बाबर के द्वारा 228 दो पहिया वाहन के लिए सबसे अधिक राशि 4 लाख 25 हजार रूपये एवं 12 चार पहिया वाहनों के लिए 75 हजार रूपये कुल 240 वाहनों के एवज में 5 लाख रूपये की बोली आई। इस नीलामी कार्यवाही में सीएसपी एस.एस.पैंकरा, जप्ती माल निराकरण के नोडल डीएसपी रितेश चौधरी, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, आरटीओ निरीक्षक मोहम्मद आबिद खान, पीडब्ल्यूडी एसडीओ ईएंडएम नरेश कुमार बड़ा, आरटीआई प्रशिक्षण अधीक्षक विजय साहू सहित निविदाकर्तागण मौजूद रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बाइक रैली को संयुक्त जिला कार्यालय सूरजपुर से शुरू कर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू एवं अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में लोगों ने हेलमेट पहनकर सड़क सुरक्षा को लेकर भी लोगों को जागरूक किया। इस दौरान पुलिस, यातायात,शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती साहू ने कहा कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर लोगों को शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक करने के लिए इस रैली का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान करना प्रत्येक मतदाता का अधिकार है। इसके माध्यम से ही वह अपनी आवाज शासन तक पहुंचा सकता है इसलिए सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। जागरुकता बैनर लेकर सयुक्त जिला कार्यालय से शुरू हुई जागरूकता रैली का समापन अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड सूरजपुर में किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ द्वारा सड़क मतदाताओ को जागरूक करते हुए शत प्रतिशत मतदान के लिए शपथ भी दिलाई।इस बाईक रैली के माध्यम से बाइक सवारों द्वारा हेलमेट पहनकर अपनी सुरक्षा का संदेश भी दिया है। गौरतलब है कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं आम जनमानस में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाये जाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा 01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत राज्य भर में सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले भर में लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक कराया जा रहा है।

भटगांव में यातायात एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं आम जनमानस में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाये जाने के उद्देश्य से जिले में 01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। जिसके तहत जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत भटगांव में पुलिस विभाग व एसईसीएल के सौजन्य से यातायात एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के मुख्य आतिथ्य एवं एस पी श्री ठाकुर के विशेष आतिथ्य में यातायात एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान साउथ ईस्टर्न कोल्ड फील्ड के जनरल मैनेजर श्री दिलीप उपस्थित थे । इस कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री जयवर्धन ने संबोधित करते हुए लोगों को सुरक्षित रहने के लिए यातायात नियमों का पालन करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और चार पहिया चालकों को सीटबेल्ट आवश्यक रूप से लगाने के लिए कहा। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए स्पीड पर नियंत्रण, नशा कर वाहन ना चलाने के लिए कहा। इसके लिए उन्होंने सभी स्कूलों, महाविद्यालयों सहित सभी लोगों को यातायात के नियमों को लेकर वृहद जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने साइबर ठगों से बचने के लिए सतर्क रहने के लिए कहा। उन्होंने लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्होंने सभी को अपने डिजिटल ट्रांजैक्शन को सावधानी से करने के लिए कहा। उन्होंने ओटीपी को लेकर खास सावधानी बरतने को कहा। साथ ही वर्तमान समय में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फोन करके किए जा रहे ब्लैकमेलिंग को लेकर खास सावधानी बरतने तथा इसकी शिकायत तुरंत करने के लिए कहा। पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर ने भी लोगों को सड़क दुर्घटनाओं और साइबर क्राइम को लेकर लोगों को सचेत किया। उन्होंने साइबर क्राइम से सुरक्षा के लिए स्वयं को संयम बरतने और किसी तरह से फॉड के झांसे में आ जाने पर तुरंत शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा। उन्होंने यातायात सुरक्षा पर कहते हुए सभी को यातायात नियमों का पालन करने के लिए कहा। साथ ही इसके लिए व्यापक पैमाने पर जागरूकता की आवश्यकता बताइए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संतोष महतो, एसडीओपी श्री रितेश चौधरी, एस ई सी एल के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) हेतु ऑनलाईन पंजीयन की तिथि में वृद्धि

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- छत्तीसगढ़ राज्य के संचालित समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिलक कॉलेज, नर्सिग कॉलेज, पॉलीटेक्निक एवं आई.टी.आई आदि के प्राचार्य/संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ वर्ग के विद्यार्थियों जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है, को सूचित किया गया है कि शिक्षा सत्र 2024-25 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही **http://postmatric_scholarship.cg.nic.in/** वेबसाइट पर ऑनलाइन की जा रही है। इसके साथ ही विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन हेतु (नवीन एवं नवीनीकरण) 01 से 31 जनवरी तक, ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने हेतु 01 जनवरी से 15 फरवरी 2025 तक एवं सैंक्शन ऑर्डर लॉक करने हेतु 01 जनवरी से 28 फरवरी तक तिथियों निर्धारित की गई हैं। इसके पश्चात शिक्षा सत्र 2024-25 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा तथा ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक तथा सेक्शन आर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा। उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वत: जिम्मेदार होंगे।

ट्रिपल मर्डर से दहला प्रतापपुर क्षेत्र: जमीन विवाद में एक ही परिवार के तीन लोगों की निर्मम हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच -पप्पू जायसवाल

सूरजपुर- जिले के खड़गावा चौकी अंतर्गत केरता पंचायत के डूबका पारा में शुक्रवार को जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। इस विवाद में एक ही परिवार के तीन लोगों को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार डूबकापारा निवासी माघे टोप्पो के परिवार ने हाल ही में साढ़े सात एकड़ जमीन पर अपना अधिकार पाने के लिए कोर्ट में लंबा संघर्ष किया था। दो महीने पहले जिला सत्र न्यायालय और एसडीएम कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया था। शुक्रवार को माघे टोप्पो 60 वर्ष अपनी पत्नी बसंती टोप्पो 53 वर्ष तथा पुत्र नरेश टोप्पो 31 वर्ष के साथ खेत की जुताई करने पहुंचे थे लेकिन यह उनकी जिंदगी का आखिरी दिन साबित हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार खेती करने के दौरान ही लाठी डंडे तथाा धारदार हथियर लेकर पहुंचे करीब 30 से 40 लोगों ने वृद्ध माघे सहित उनकी पत्नी व बेटे पर ताबड़तोड़ हमला शुरू कर दिया। इस घटना में मां व बेटे की तत्काल मौके पर ही मौत हो गयी इसके कुछ देर बाद वृद्ध ने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद से डूबका पारा और आसपास के गांवों में भय और आक्रोश का माहौल है। मृतकों के परिजनों का कहना है कि काफी संघर्ष और इंतजार के बाद उन्हें अपनी जमीन पर न्याय मिला था, लेकिन गांव के कुछ लोग इसे स्वीकार नहीं कर पाए। इसी रंजिश ने पूरे परिवार को खत्म कर दिया। परिवार के सदस्य और ग्रामीण प्रशासन से त्वरित न्याय की मांग कर रहे हैं। वहीं, घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि घटना में शामिल सभी दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। 0 इलाके में सुरक्षा बढ़ाई गई - घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। स्थानीय प्रशासन ने गांव में शांति बनाए रखने की अपील की है। इसके साथ ही क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। ग्रामीण और मृतकों के परिजन इस घटना को न्याय और मानवता पर हमला मान रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन विवाद की समस्या को प्रशासन ने समय पर सुलझाने का प्रयास नहीं किया, जिसके कारण यह त्रासदी हुई। 0 घटना ने खड़े किए गंभीर सवाल - यह घटना सिर्फ एक परिवार की हत्या तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक तंत्र और कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती है।

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिये जिले के वेबसाइट से करें रजिस्ट्रेशन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सूरजपुर जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल करते हुए दिव्यांग जनों को सुविधा प्रदान करते हुए, जिला सूरजपुर के ऑफिशियल वेबसाइट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा प्रदान की गई है। जिसके तहत दिव्यांगजन सूरजपुर जिले की ऑफिशियल वेबसाइट `नतंरचनत.दपब.पद_ पर कनेक्ट कर ''दिव्यांग प्रमाण पत्र'' आवेदन हेतु निर्मित सेक्शन में जाकर प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को रजिस्ट्रेशन फॉर्म में कुछ वांछित जानकारियां दर्ज करनी होगी। सफलतापूर्वक फॉर्म सबमिट करने के पश्चात बुधवार को जिला चिकित्सालय में आधार कार्ड, फोटो व अन्य वांछित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर आवेदक दिव्यांगजन प्रमाण पत्र हेतु अग्रिम कार्यवाही पूर्ण कर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकता है। ऑनलाइन दर्ज 15 आवेदकों को एक दिन पूर्व सूचना भी दी जाएगी ताकि दिव्यांगजनों का प्रमाण पत्र सुगमता पूर्वक निर्मित हो सकें।

नवाचार: विभिन्न विद्यालयों में 8 दिवसीय ए.आई. और चैट जीपीटी कार्यशाला का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिला प्रशासन द्वारा नवाचारी पहल के तहत 8 दिवसीय ए.आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और चैट जीपीटी कार्यशाला का आयोजन जिले के 8 विभिन्न स्कूलों से जे से नवापारा, सूरजपुर, से जे स प्रेमनगर, से जे स प्रतापपुर, सेजेस चेंद्रा, सेजेस भैयाथान, सेजेस भुवनेश्वरपुर, सेजेस बातरा और सेजेस जयनगर में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों के प्रति जागरूक करना और उनकी तकनीकी क्षमता को सशक्त बनाना है। इस कार्यशाला का संचालन जीआर टेक्नो इंडिया द्वारा शिक्षा विभाग, सूरजपुर के लिए किया गया। कार्यक्रम का वित्तीय समर्थन ''एसईसीएल'' (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) द्वारा सीएसआर पहल के तहत किया गया। कार्यशाला में छात्रों को ए.आई. और चैट जीपीटी के उपयोग, संभावनाओं और इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यशाला नई तकनीकों के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ाने और उन्हें डिजिटल युग के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला प्रशासन और स्थानीय शिक्षण संस्थानों ने इस कार्यशाला को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में स्वीप गतिविधि के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में स्वीप गतिविधि के अंतर्गत 9 जनवरी को रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से युवा उत्सव कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें स्वीप प्रोफेसर नोडल और रासेयो कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राएं और शिक्षको की भागीदारी रही इस कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं के माध्यम से उनके घर मोहल्ला गांव टोला पारा आदि बिहारपुर क्षेत्र जो की ओड़गी विकासखंड के अंतर्गत आता है ,में अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान करें इसके लिए प्रेरित किया गया और छात्र-छात्राओं के माध्यम से समाज में मतदान करने हेतु जागरूकता अभियान का एक हिस्सा बनाया गया

These are the reasons why a child becomes stubborn, you should also pay attention

Behave friendly with the child, respect his feelings and teach the importance of discipline. Let us know the reasons why children become stubborn and what things parents should

keep in mind. Stubbornness of children is a common problem, which many parents struggle with. If this habit of children is not taken care of in childhood, then it can become a big challenge in the future. The behavior of children depends on their development, environment and upbringing. The stubborn nature of children is the result of their environment and upbringing. The patience, understanding and love of parents can help improve the behavior of the child. Behave friendly with the child, respect his feelings and teach the importance of discipline. Let us know the reasons why children become stubborn and what things parents should keep in mind. Excessive pampering - When everything of the child is obeyed, he gradually starts being stubborn. He becomes convinced that by being stubborn, all his demands will be fulfilled. Giving too much freedom to children also makes them stubborn. Parents should explain the importance of discipline to children. Set limits with love. Also, instead of saying yes to everything the children say, learn to say no. Disagreement and differences of opinion between parents- If the mother and father do not agree on anything and interrupt each other in front of the child, then the child can take advantage of this situation and become stubborn. Whatever level of stubbornness he sees between his parents, he adopts the same in his life. Parents should remain united in front of children and give the same response. Excessive restrictions and strictness- Some parents are too strict with children, due to which the child's nature becomes stubborn. The child thinks that he will have to be more stubborn to get his point across. Giving negative feedback to the child on everything makes him stubborn. Parents should maintain a balance between love and discipline. Instead of being strict, teach things to the child by explaining them. Ignoring the child's feelings-When the child's feelings and desires are constantly ignored, the child starts being stubborn. Many times children become stubborn to attract the attention of the parents. This happens when the parents are unable to give enough time to the child. Parents should understand the child's feelings, communicate with them. Listen to them carefully and spend quality time with the child daily.

Make these five special dishes made of sesame and jaggery on the special occasion of Lohri

Every festival in India has its own traditional dishes. Similarly, some traditional dishes are also made on Lohri, about which we are going to tell you. Lohri is the first festival of the year and a big festival. In such a situation, its excitement starts appearing in the markets and homes from many days in advance. People start preparing for this festival many days in advance.

Although it is celebrated all over the country, but its maximum excitement is seen in Punjab and Haryana. Just as every Indian festival is incomplete without good food, in the same way Lohri is also incomplete without good food. The festival of Lohri comes in the winter season, so there is a tradition of eating dishes made of jaggery and sesame. In view of this, today we are going to tell you about five delicious dishes made from sesame and jaggery at home. The fun of the festival will be doubled by consuming these dishes. Sesame-Jaggery Laddu - To make sesame jaggery laddu, you will need 1 cup of white sesame, jaggery - 1 cup and ghee. To make laddu, first dry roast the sesame and let it cool. Mix ghee in the melted jaggery and add sesame seeds. Mix it well and make small laddus. Sesame-Jaggery Chikki - Chikki is very tasty to eat. To make it, you will need sesame - 1 cup, jaggery - 1 cup and ghee - 1 teaspoon. While making chikki, lightly roast the sesame seeds. After this, melt the jaggery and add ghee to it. Mix sesame seeds and spread it on a smooth plate and let it cool. Cut into square pieces with a knife. Sesame-Jaggery Kheer - Sesame-Jaggery Kheer is very good to eat in the winter season. To make kheer, you will need sesame - 2 teaspoons, jaggery - 1/2 cup, rice - 1/4 cup, milk - 1 liter and dry fruits. To make kheer, cook rice in milk. Roast the sesame seeds and add them to the kheer. Add jaggery and cook on low flame. Garnish with dry fruits and serve. Sesame-jaggery paratha- If you are thinking of making something different, then make sesame-jaggery paratha. For this, first of all keep aside wheat flour - 2 cups, sesame seeds - 2 teaspoons, jaggery - 1/2 cup and ghee for frying. To prepare it, add water to the flour and knead a soft dough. After this, fill the mixture of jaggery and sesame and roll the parathas. Finally apply ghee on the pan and fry and serve hot. Sesame-jaggery roll- To make sesame-jaggery roll, you will need sesame seeds - 1 cup, jaggery - 1 cup and coconut powder. To make it, first roast the sesame seeds and mix them with jaggery. After this, add coconut powder and give it the shape of a roll. Serve the rolls when they cool down.

Sister-in-law and sister-in-law will become friends, keep these things in mind in the relationship

The relationship between sister-in-law and sister-in-law can be like two friends instead of mother-in-law and daughter-in-law. For this, it is important that both understand each other's feelings and adopt a positive attitude. In Indian families, the relationship between sister-in-law and sister-in-law holds special importance. If the relationship between sister-in-law and sister-in-law is sweet, then happiness remains in the family as well. But sometimes small misunderstandings and a sense of ego bring distance in this relationship. If the relationship between sister-in-law and sister-in-law is full of love and trust, then it not only keeps the family together, but also creates an atmosphere of happiness in the house. The relationship between sister-in-law and sister-in-law can be like two friends instead of mother-in-law and daughter-in-law. For this, it is important that both understand each other's feelings and adopt a positive attitude. Adopt friendly behavior in this relationship and become each other's strength. In this article, know the tips to make the relationship between sister-in-law and sister-in-law strong and friendly. Understand each other- Both sister-in-law and sister-in-law should accept each other with an open mind. It can be difficult for a new bride to adjust in her in-laws' house, so the sister-in-law should make her sister-in-law feel comfortable in the family. Sister-in-law should also understand her sister-in-law as a sister and respect her. Communicate and spend time together- Lack of communication between sister-in-law and sister-in-law can create a rift in the relationship. Do not let any misunderstanding grow and clarify it immediately. Sharing small things strengthens the relationship and brings both closer to each other. To build a friendly relationship between sister-in-law and sister-in-law, it is important to spend time together. Sometimes go shopping, sometimes watch a movie or sit at home and talk. This increases mutual understanding. Prepare together for any family function or puja, this makes the relationship even sweeter. Respect the choice- The thinking or likes and dislikes of sister-in-law and sister-in-law can be different. Understanding this, both should respect each other's choice. If the sister-in-law gives

advice to the sister-in-law on something, then instead of rejecting it, she should respect it thoughtfully and the sister-in-law should also give importance to the sister-in-law's advice. Give freedom in the relationship- The sister-in-law should not interfere too much in the personal life of the sister-in-law. The sister-in-law should not repeatedly pressure the sister-in-law to change or adapt according to her house, rather she should give the sister-in-law a homely atmosphere in her in-laws' house. The sister-in-law should also respect the personal life of the sister-in-law and understand the limits. Do not come between the mother-in-law and father-in-law- Both the sister-in-law and the sister-in-law should avoid speaking ill of each other in the matters of the mother-in-law and father-in-law. This relationship will be strong only when both praise each other even behind each other's back.

Hina Khan told what was her reaction when she first found out about cancer? Malaika Arora got emotional

Recently, actress Hina Khan appeared as a guest in the dance reality TV show Champions Ka Tashan. On this stage, she told how she reacted when she first found out about her cancer disease? Actress Hina Khan is known for playing strong characters in TV and films. She is a fighter in real life too. These days she is fighting a disease like cancer, she is undergoing treatment. Even while undergoing treatment, she is active in the field of acting. Recently, she was seen in the dance reality TV show Champions Ka Tashan. The judges of this show are choreographer Remo D'Souza, Geeta Kapoor and Malaika Arora. Hina has also arrived as a guest in this show. On this stage, she mentioned her breast cancer disease, shared things related to it. What was the reaction to the news of the disease In the dance show, Geeta Kapoor asked Hina Khan that we know about your cancer journey, it is very inspirational. How did you keep yourself positive? On this, Hina Khan told- 'When I came to know about cancer, I was at home, I remembered that my brother had brought some sweets home today. I thought that if sweets come home, it will be good, so I took my illness in a positive way.' Hearing this, Geeta Kapoor, Malaika and Remo D'Souza praised Hina Khan, the dancers of the show also clapped a lot. Malaika posted a story on Instagram Malaika Arora also posted this positive attitude, inspirational story of Hina Khan on her Instagram story. She became very emotional after listening to Hina's story in the show too. Along with Hina's video, Malaika wrote on Instagram- 'You go girl-lioness.' In this way, Malaika saluted Hina Khan's fighter spirit. Hina will be seen in the series Grihalakshmi - Soon Hina Khan's new web series 'Grihalakshmi' will premiere on Epic On. In this, she is seen in action style. Her character also looks strong in the recently released promo of the series. Chunky Pandey is also going to be seen in this series. She is also active on social media - During her cancer treatment, Hina Khan remained active on social media and kept making people aware about cancer. She always looked positive during cancer treatment. She kept giving updates related to her life to her fans. During this, Hina also went on vacation, whose pictures she also shared with the fans.

Tripti Dimri out of 'Aashiqui 3'? Now which actress will be seen romancing with Kartik Aaryan

Fans are eagerly waiting for the sequel of the film Aashiqui 'Aashiqui 3'. Meanwhile, news is coming that Tripti Dimri is now out of this film. Kartik Aaryan and Tripti Dimri's 'Aashiqui 3' is constantly getting behind. The film's director Anurag Basu is working on a new love story with Kartik Aaryan. Meanwhile, news has come that

Tripti Dimri is out of the film 'Aashiqui 3'. Tripti Dimri out of Aashiqui 3- If Mid Day's report is to be believed, the film has been stopped after Tripti Dimri came into this project. According to the report, Tripti Dimri will not be a part of Aashiqui 3. At the same time, Anurag Basu is now going to show a new pair in this film. Tripti Dimri was very excited about this film, however now this is not going to happen. A new face can be seen in the film with Kartik Aryan. 'Aashiqui 3' got into controversy- Tripti Dimri's film Aashiqui 3 is surrounded by

controversies these days. Dimri shot for a few days for the film last year. It was to be a muhurat shot. The reasons behind Dimri's exit are not yet known. This film was to be produced by Bhushan Kumar and Mukesh Bhatt, but after a quarrel between the producers, the discussion could not move forward. Now the search is for a new face- If the news is to be believed, the shooting with Tripti Dimri and Kartik Aryan will start in Mumbai at the end of January or in the first week of February. After Tripti Dimri's exit, the casting process is going on for the role of the lead actress. Shraddha Kapoor and Aditya Roy Kapoor were seen in the second sequel of Aashiqui, released in 2013.

'Indira Gandhi was a product of nepotism', Kangana Ranaut's big statement before the release of 'Emergency'

Actress Kangana Ranaut is all set to play the role of former Prime Minister of India Indira Gandhi in her upcoming film 'Emergency'. During the promotion, the actress told that Indira Gandhi was privileged and said that Indira Gandhi was a product of nepotism.Actress and politician Kangana Ranaut is known for her outspoken nature. Kangana is in the news these days for her upcoming film 'Emergency'. In this film, she is all set to play the role of late former Prime Minister Indira Gandhi. Kangana has always given outspoken statements about nepotism in the industry. Now recently, the actress has also described Indira Gandhi as a "product of nepotism". Let's know what the actress has said. Kangana called Indira Gandhi a product of nepotism Recently, in an interview with IANS, Kangana said that she has always been against nepotism, but she has played the role of Indira Gandhi in 'Emergency' with complete honesty. Kangana said, "It is clear that Indira Gandhi was a product of nepotism. But when I meet some people, like those in our film industry, who I do not like or whom I do not want to be like, I still play the character with complete honesty. Being an artist means having any kind of preconceived notions." Kangana has an honest thinking for Indira Gandhi- Kangana further said, "I come from a party that belongs to the people, as the name suggests, but I can still have a very honest thinking for someone who came from a privileged background. Indira Gandhi came from a background that she was very privileged." Indira Gandhi had privileges- Continuing her point, Kangana said, 'She was the Prime Minister three times and was the daughter of Pandit Jawaharlal Nehru. She became the Secretary and got all the best ministries. What more privileges can you ask for than this? But that doesn't mean I can't show a sensible side of him.'''The film is adorned with these stars Let us tell you that Kangana Ranaut's 'Emergency' will be released in theaters on January 17. Anupam Kher, Satish Kaushik, Mahima Chaudhary, Shreyas Talpade, Milind Soman will be seen in the lead roles in this film.